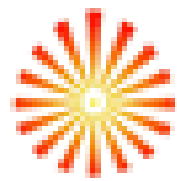


# आओ चलें सम्पूर्णता की ओर



○ 20 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ○

⇒ TOTAL MARKS:- 100 ⇐

-----

✽ शिवभगवानुवाच :-

➤ \_ ➤ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

॥1॥स्वमान का अभ्यास (Marks-10)

➤➤ मैं पूज्य आत्मा हूँ ।

॥2॥गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks-10)

➤➤ पवित्रता के फाउंडेशन द्वारा सदा श्रेष्ठ कर्म

॥3॥बाबा से संबंध का अनुभव(Marks-10)

➤➤ टीचर

॥4॥ होमवर्क (Marks :- 7\*5=35)

【✓】 स्वयं को °संगमयुगी निवासी° समझ कर चले ?

【✓】 पुराने संबंधों को °देखते हुए भी नहीं देखा° ?

【✓】 °ज्ञान के तीसरे नेत्र° से देखने का अभ्यास किया ?

【✓】 "हम °अकेले° आये थे.. अकेले जाना है" - यह बुधी में रहा ?

【✓】 "°वाह रे मैं°" - सदा इसी अलौकिक नशे में रहे ?

【x】 मनसा संकल्प में भी किसी के प्रति °नेगेटिव संकल्प° तो उत्पन्न नहीं हुआ ? अयथार्थ बोल तो नहीं बोले ?

【x】 °सम्बन्ध संपर्क में फर्क° तो नहीं आया ? सबके साथ अच्छा एक जैसा सम्बन्ध रहा ?

✽ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

➤ \_ ➤ हर एक की ज्योति अगर दृश्य देखो तो बड़ी रीयल और सुन्दर दिखाई देती है । सारा फेस ही दीपक के मुआफिक जगमगा रहे हैं ।

॥5॥ विशेष अभ्यास (Marks:-15)

➤➤ आज पूरा दिन अपने रीयल और सुन्दर स्वरूप में स्थित रहे ? सारा फेस दीपक के मुआफिक जगमगाता रहा ?

॥6॥ ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

➤➤ पवित्रता का फाउंडेशन हमें किस तरह से सदा श्रेष्ठ कर्म करने में मदद करता है ?

- \* पवित्रता का बल हमारे कर्मों में रूहानियत लाता है ।
- \* पवित्रता के बल से हम सहज ही हर कर्म करते हुए बाबा के साथ का अनुभव करते हैं ।
- \* पवित्रता का बल हमें कर्मों की गुह्य गति को समझ हमेशा श्रेष्ठ कर्मों के मार्ग की ओर आगे बढ़ाता है ।
- \* पवित्रता के बल से ही हमारी मन-बुद्धि निर्मल रहते है, जिससे क्रिमिनल खयालात, दृष्टि, वृत्ति नहीं रहती ।
- \* हम हर कर्म कर्मयोगी बनकर करते है तो कोई विकर्म नहीं होता है ।
- \* पवित्रता ही रॉयल पर्सनालिटी है, तो हर कर्म रॉयल होगा ।

॥7॥ ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

➤➤ "वाह रे मैं" का अलौकिक नशा हमें किस तरह से हर पल नेचुरल खुशी की डांस का अनुभव करवाता है ?

\* भगवान हमें पवित्र बना देवी देवता बना रहे हैं इस स्मृति में रह कर।

\* भगवान हमारा श्रृंगार कर हमें भक्तों के पूज्य बना मन्दिर लायक बनाते हैं यह अनुभव करके।

\* हमें विश्व के बादशाही मिलने वाली है इससे अन्दर में खुशी रहती है।

\* एवर हेल्दी, एवर वेल्दी, एवर हैप्पीनेस का वर्सा खुशी का डांस करवाता है।

\* भगवान हमारे लिए ही धरा पर आये हैं इस खुशी में "वाह रे मैं" के गीत गाते हैं।

⊙\_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स जरूर दें ।

❧ ॐ शान्ति ❧